[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 424 **D** **Your Roll No.....**
प्रश्न पत्र का क्रमांक आपका अनुक्रमांक .....

Unique Paper Code : 205539
यूनिक कोड

Name of the Course : **B.A. (Prog.)**

Name of the Paper : Hindi A

Semester : Vth Semester
सेमेस्टर : पंचम सेमेस्टर

Time : 3 Hours Maximum Marks : 75
समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

Instructions for Candidates / छात्रों के लिए निर्देश

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. किन्हीं दो अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (9 + 9 = 18)

(क) पागल रे ! वह मिलता है कब
उसको तो देते ही हैं सब,
आँसू के कन-कन से गिनकर
यह विश्व लिए है ऋण-उधार,
तू क्यों फिर उठता है पुकार ?
मुझको न मिला रे कभी प्यार !

(i) 'पागल रे' संबोधन का प्रयोग कवि ने किसके लिए किया है ?

(ii) यहाँ 'आँसू' किसका प्रतीक है ?

(iii) 'यह विश्व लिए है ऋण उधार' का भावार्थ लिखिए।

P.T.O.

(ख) वे सब उपलब्ध थे, लेकिन हिंदुस्तान उनके पीछे नहीं चला, क्योंकि पूरे पहाड़ में घोड़ा उसी चट्टान को चाटता है, जिसमें नमक होता है और गाय भी जानती है कि बागड़ की वनस्पति खाने लायक नहीं है। यह भारत का खाद्य-अखाद्य-बोध है कि उसने गांधी को नेता माना, दूसरों को नहीं। और भारत के भक्त कवियों की तरह यदि गांधी इस देश के सांस्कृतिक तारों को नहीं झनझनाते, यदि वे देश के अवचेतन को आंदोलित नहीं करते, यदि वे एक गहरी हूक यहां पैदा नहीं करते तो भारत में वह जन-ऊर्जा पैदा ही नहीं होती, जिसने हमारी स्वाधीनता को 1947 में सभंव बनाया।

(i) प्रस्तुत अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है, इसके लेखक का नाम भी लिखिए।

(ii) भारत की जनता ने गांधी को ही नेता क्यों माना ?

(iii) 'जन-ऊर्जा' से क्या तात्पर्य है ?

(ग) उसने तो अपने किए का फल पा लिया, पर मैं समस्या का समाधान नहीं पा सकी। इस बार की असफलता ने तो बस मुझे रुला ही दिया। अब तो इतनी हिम्मत भी नहीं रही कि एक बार फिर मध्यम वर्ग में अपना नेता उत्पन्न करके फिर प्रयास करती। इन दो हत्याओं की मार से ही मेरी गर्दन टूटी जा रही थी, और अधिक हत्या का पाप ढोने की मुझमें न इच्छा थी न शक्ति ही। और अपने सारे अहं को तिलांजलि देकर बहुत ही ईमानदारी से मैं कहती हूँ कि मेरा रोम-रोम महसूस कर रहा था कि कवि भरी-भरी सभा में शान के साथ जो नहला फटकार गया था, उस पर इक्का तो क्या, मैं दुग्गी भी न मार सकी। मैं हार गई, बुरी तरह हार गई।

(i) प्रस्तुत पंक्तियाँ किस पाठ से ली गई हैं ? इसके रचनाकार का नाम भी लिखिए।

(ii) दो हत्याएँ किसने और क्यों की ?

(iii) गर्दन टूट जाना, रोम-रोम महसूस करना, नहले पर दहला मारना - मुहावरों के अर्थ वाक्य प्रयोग द्वारा स्पष्ट कीजिए।

2. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (6+6=12)

(i) 'मुझे कदम-कदम पर' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।

(ii) 'पर्दा उठाओ पर्दा गिराओ' एकांकी में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।

(iii) बाज़ार के जादू से बचने का लेखक ने क्या उपाय बताया है ? ('बाज़ार दर्शन')

(iv) पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के लिए लेखक किन नियमों को अपनाने पर बल देता हैं ? ('सामान्य शब्द और पारिभाषिक शब्द')

3. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (5+5+5=15)

(i) भाषा परिवर्तन के कारण लिखिए।

(ii) भाषा के विविध अंगों पर प्रकाश डालिए।

(iii) 'भाषा निरंतर परिवर्तनशील है' कथन पर विचार कीजिए।

(iv) भाषा और उसके अभिलक्षणों को समझाइए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (8)

(i) 'भाषा और समाज का अटूट संबंध है', कथन पर विचार कीजिए।

अथवा

सामाजिक स्तर भेद का भाषिक विविधता से क्या संबंध है ? स्पष्ट कीजिए।

(ii) औपचारिक **अथवा** अनौपचारिक भाषा की अवधारणा एवं स्वरूप स्पष्ट कीजिए। (7)

5. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (5+5+5=15)

(i) निम्नलिखित शब्दों में से **किन्हीं पाँच** के तद्भव रूप लिखिए :

नासिका, हस्त, दधि, दुग्ध, चन्द्र, स्वर्ण।

(ii) लक्षक शब्द और लक्ष्यार्थ से आप क्या समझते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

(iii) निम्नलिखित एकार्थी शब्दों में से **किन्हीं पाँच** का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए :-

अनुराग, अर्चना, अहंकार, अभिनेता, प्रत्येक, हृदय, जन्म

(iv) किन्हीं **पाँच** अनेकार्थी शब्दों के दो-दो अर्थ स्पष्ट कीजिए :-

तीर, घड़ी, पद, मुद्रा, कनक, आम, जल